पाठ्यक्रम

बैचलर ऑफ़ आर्ट्स - हिंदी

(बी.ए. – हिंदी)

3 वर्षीय पाठ्यक्रम

हिमालयन गढ़वाल विश्वविघालय

http://www.hgu.ac.in

हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय

अंक मूल्यांकन

I वर्ष

पेपर कोड	पेपर का नाम	इंटरनल	एक्सटर्नल	टोटल
BAH101	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	30	70	100
BAH102	हिन्दी नाटक और रंगमंच	30	70	100
BAH103	प्रयोजनमूलक हिंदी - I	30	70	100
टोटल		**90**	**210**	**300**

II वर्ष

पेपर कोड	पेपर का नाम	इंटरनल	एक्सटर्नल	टोटल
BAH201	आधुनिक हिन्दी काव्य	30	70	100
BAH202	हिन्दी कथा साहित्य	30	70	100
BAH203	प्रयोजनमूलक हिंदी - II	30	70	100
टोटल		**90**	**210**	**300**

III वर्ष

पेपर कोड	पेपर का नाम	इंटरनल	एक्सटर्नल	टोटल
BAH301	अद्यतन हिन्दी एवं कौरवी लोक काव्य	30	70	100
BAH302	हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएं	30	70	100
BAH303	प्रयोजनमूलक हिंदी - III	30	70	100
टोटल		**90**	**210**	**300**
ग्रैंड टोटल		**270**	**630**	**900**

बी0 ए0
हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

1 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

2 हिन्दी नाटक और रंगमंच

द्वितीय वर्ष

1 आधुनिक हिन्दी काव्य

2 हिन्दी कथा साहित्य

तृतीय वर्ष

1 अद्यतन हिन्दी एवं कौरवी लोक काव्य

2 हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएं

बी0 ए0 प्रयोजनमूलक
हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

1 भारत सरकार की राजभाषा नीति

2 हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण और वार्तालाप

3 प्रायोगिक कार्य

द्वितीय वर्ष

1 हिन्दी में कार्यालयी और वाणिज्यिक पत्राचार

2 टिप्पणी एवं आलेखन

3 प्रायोगिक कार्य

तृतीय वर्ष

1 अनुवाद, दुभाषिया – प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली

2 संचार माध्यम

3 प्रायोगिक कार्य

बी0ए0 (प्रथम वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र
BAH101: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

निर्धारित कवि– कबीर (30 साखी तथा 05 पद), जायसी (पद्मावत का एक खण्ड), सूरदास (20 पद), तुलसीदास (20 छन्द), बिहारी (30 दोहे), घनानन्द (20 छन्द), भूषण (20 छन्द)।

द्रुत पाठ – सरहपा, अब्दुर्रहमान, चन्दवरदाई, अमीर खुसरो, मीराबाई।

कबीरदास : साखी

गुरूदेव कौ अंग :	सतगुरू की महिमा अनंत, गूंगा हूवा बावला, दीपक दीया तेल भरि, जाका गुरु भी अंधाला, नां गुर मिल्या न सिष भया, माया दीपक नर पतंग, सतगुरू हम सूं रीझ कर।
सुमिरण कौ अंग :	कबीर कहता जात हूं, भगति भजन हरि नांव है, कबीर सूता क्या करै काहे न देखै जागि।
बिरह कौ अंग :	चकवी बिछुटी रैणि की, बहुत दिनन की जोवती, यहु तन जारौं मसि करूं, हंसि हंसि कंत न पाइए, नैनां अंतर आव तूं, कबीर देखत दिन गया, कै बिरहनि कूं मींच दे, कबीर तन मन यौं जल्या, बिरह भुवंगम तन बसै, अषणियाँ झाँई पड़ी, बिरहनि ऊभी पंथ सिरि।
परचा कौ अंग :	पारब्रह्म के तेज का, अंतरि कंवल प्रकासिया, पिंजर प्रेम प्रकासिया, पांणी ही तैं हिम भया, जब मैं था तब हरि नहीं, मानसरोवर सुभर जल, कबीर कंवल प्रकासिया।
रस कौ अंग :	कबीर हरिरस यौं पिया, राम रसाइण प्रेम रस, कबीर भाठी कलाल की।
पद :	संतो भाई आई ज्ञान की आंधी, जतन बिनु मिरगन खेत उजारे, रहना नहीं देश बिराना है, काहे री नलिनी तू कुम्हलानी, दुलहिनि गावहु मंगल चार।

जायसी पद्मावत का मानसरोदक खण्ड (सम्पूर्ण)

सूरदास

विनय :	आजु हौं एक एक करि, अविगत गति कछु कहत न आवै, रै मन मूरख जनम गंवायौ, गोविन्द प्रीति सबनि की मानत, जा दिन मन पंछी उडि जैहैं, अपुनपौ आपुन ही बिसरयौ, प्रभु कौ देखौ एक सुभाई।
वात्सल्य :	सोभित कर नवनीत लिये, खेलत मै को काको गुसैया, देखो भाई दधिसुत में दधि जात
श्रृंगार :	बूझत स्याम कौन तू गोरी, निसिदिन बरसत नैन हमारे, अंखियां हरि दरसन की भूखी, मधुवन तुम कत रहत हरे, निरगुन कौन देस को बासी, ऊधौ अंखियां अति अनुरागी, आयो घोष बड़ो व्यापारी, मोहन मांग्यो अपनो रूप, ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाही, अति मलीन वृषभान कुमारी, लरिकाई को प्रेम आलि कैसे करके छूटत।

तुलसीदास

विनयपत्रिका : ऐसी मूढता या मन की, ऐसो को उदार जग माही, केसव कहि न जाइ का कहिये, हे हरि कस न हरहु भ्रम भारी, हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों, अब लौं नसानी अब न नसइहौं, माधव मोह–फाँस क्यों टूटै।

कवितावली : अवधेश के द्वारे सकारे गई, बर दंत की पंगति कुंद कली, कीर के कागर ज्यों नृप चीर, रावरे दोष न पायन को, पातभरी सहरी सकल सुत, पुर तें निकसी रघुबीर बधू, सीस जटा उर बाहु विसाल, बालधी बिसाल बिकराल।

दोहावली : एक भरोसो एक बल, जो घन बरसै समय चिर, चढत न चातक चित कबहुं, बध्यों बधित पर्‍यो पुन्य जल, बरसि परुष पाहन पयद्।

बिहारी : मेरी भवबाधा हरौ, नीकी दई अनाकनी, जमकरि मुंह तरहरि, या अनुरागी चित्त की, मोहनि मूरति स्याम की, तजि तीरथ हरि राधिका, चिरजीवौं जोरी जुरै, अजौ तर्‍यौना ही रह्यौ, स्वारथ सुकृतु न श्रम वृथा, नर की अरु नल नीर की, बढ़त बढ़त सम्पत्ति सलिल, बसै बुराई जासु तन।

छकि रसाल सौरभ सने, तिय तिरसौंहे मन किये, ज्यों ज्यों बढत विभावरी, जुवति जोन्ह में मिलि, जोग जुगति सिखए सबै, मंगलबिंदु सुरंग मुख, खेलन सिखए अलि भले, रससिंगार मंजनु किये, चमचमात चंचल नयन, अरुन बरन तरुनि चरन, दृग उरझत टूटत कुटुम, पिय के ध्यान गहि गही, कहत सबै बैंदी दिये, मंजुन करि खंजन नयनि, औरे ओप कनीनिकनि, कर मुंदरी की आरसी, मैं मिसहा सोयो समुझि, बतरस लालच लाल की, हेरि हिंडोरे गगन तें।

घनानंद : अति सूधो सनेह को मारग है, भोर तें साँझ लौं काननओर, झलकै अति सुंदर आनन गौर, हीन भये जल मीन अधीन, घन आनंद जीवन रूप सुजान, इस बांट परी सुधि रावरे भूलनि, पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, घनआनंद जीवन मूल सुजान की, आसा–गुन बांधि कै भरोसो सिल धरि छाती, कंत रमै उर अंतर मैं, मरिबो बिसराम गनै वह तो, कारी कूर कोकिला कहाँ को बैर, एरे बीर पौन तेरा सबै ओर गौन, बैरी वियोग की हूकन जारत, पर काजहि देह को धारि फिरौ, एकै आस एकै विसवास प्रान गहे बास, रावरे रूपकी रीति अनूप, चोप चाह चावनि चकोर भयौ चाहत ही।

भूषण :– **शिवा बावनी 25 पद**

साजि चतुरंग बीर रंग में तुरंग चढ़ि, बाने फहराने घहराने घंटा गजन के, बद्दल न होंहिं दल दच्छिन घमंड माहिं, बाजि गजराज सिवराज सैन साजत ही, ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी, उतरि पलँग ते न दियो है धरा पै पग, अंदर ते निकसी न मंदर को देख्यो द्वार, सोंधे को अधार किसमिस जिनको अहार, साहि सिरताज और सिपाहिन में पातसाह, किबले की ठौर बाप बादसाह साहजहाँ, हाथ तसबीह लिए प्राप्त उठै बन्दगी को, कैयक हजार जहाँ गुर्जबरदार ठाढ़े, सबन के ऊपर ही ठाढ़ो रहिबे के जोग, राना भो चमेली और बेला सब राजा भये, कूरम कमलकमधुज है कदम फूल,

देवल गिरावते फिरावते निसान अली, साँच को न मानै देवी देवता न जानै अरु, कुभकन्न असुर औतारी अवरंगजेब, छूटत कमान और तीर गोली बानन के, उतै पातसाह जू के गजन के ठट्ठ छूटे, जीत्यो सिवराज सलहेरि को समर सुनि।

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

1– कबीर एक अनुशीलन – डॉ0 रामकुमार वर्मा
2– कबीर की विचारधारा – डॉ0 त्रिगुणायत–साहित्य निकेतन कानपुर
3– कबीर व्यक्तित्व एवं कृतित्व – चंद्रमोहन सिंह, ज्ञान लोक इलाहाबाद
4– कबीर साहित्य की परख – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी– भारती भण्डार, इलाहाबाद
5– कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी राजकमल, दिल्ली
6– कबीर – विजयेन्द्र स्नातक– राधा कृष्ण, दिल्ली
7– कबीर की भाषा – माताबदल जायसवाल–विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8– सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी– विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
9– सूरदास और उनका साहित्य – हरबंश लाल शर्मा– भारत प्रकाश मंदिर अलीगढ़
10– सूरदास और उनका काव्य – गोवर्द्धन लाल शुक्ल– ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
11– सूर की काव्य साधना – गोविन्द राम शर्मा– नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली
12– सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम– एस चंद एण्ड संस दिल्ली
13– सूर सौरभ – मुंशी राम शर्मा– ग्रन्थम, कानपुर
14– महाकवि सूरदास – जय किशन प्रसाद खण्डेलवाल रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा
15– त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल– नागरी प्रचारिणी सभा काशी
16– गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल– नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
17– तुलसी मानस रत्नाकर – भाग्यवती सिंह– सरस्वती पुस्तक सदन माता कटरा आगरा
18– तुलसीदास और उनका काव्य – रामनरेश त्रिपाठी– राजपाल एण्ड संस दिल्ली
19– तुलसी दर्शन – बलदेव प्रसाद मिश्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग
20– तुलसी रसायन – भगीरथ मिश्र– साहित्य भवन इलाहाबाद
21– तुलसी – उदयभानु सिंह– राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
22– जायसी का पद्मावत : काव्य तथा दर्शन– गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
23– जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
24– जायसी का काव्य– सरोजनी पाण्डेय– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
25– हमारे कवि – राजेन्द्र सिंह
26– बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
27– बिहारी और उनका साहित्य – हरबंशलाल शर्मा

28– कवित्रयी– (बिहारी, देव, घनानंद) – गिरीश चन्द्र तिवारी पुस्तक प्रचार, दिल्ली

29– बिहारी और घनानंद – परमलाल गुप्त

30– बिहारी का काव्य : आनन्द मंगल –

काव्य शास्त्र–

01– अलंकार पारिजात : नरोत्तम स्वामी– लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन आगरा 02– नूतन काव्य प्रकाश– डॉ0 उपेन्द्र त्रिपाठी– साहित्य रत्नालय, कानपुर

03– काव्य कौमुदी– डॉ0 बालकृष्ण गुप्त, साहित्य निकेतन कानपुर

04– अलंकार, रस, छन्द, परिचय– भारत भूषण त्यागी, लायल बुक डिपो, ग्वालियर 05– काव्य लोक गोपीनाथ शर्मा, किताब महल, इलाहाबाद

06– काव्य के रूप– गुलाब राय– आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

बी0ए0 (प्रथम वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
BAH102: हिन्दी नाटक और रंगमंच

निर्धारित पाठ्यक्रम – (क) नाटक–ध्रुवस्वामिनी–जयशकंर प्रसाद, आधे–अधूरे – मोहन राकेश

(ख) एकांकी – औरंगजेब की आखिरी रात (डॉ0 राम कुमार वर्मा), स्ट्राइक (भुवनेश्वर) भोर का तारा (जगदीश चन्द्र माथुर), नये मेहमान (उदयशकंर भट्ट), सूखी डाली (उपेन्द्र नाथ 'अश्क')

द्रुत पाठ – (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिकृष्ण प्रेमी, लक्ष्मीनारायण मिश्र, धर्मवीर भारती।
(ख) हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें – हिन्दी नाटक और रंगमंच

01– हिन्दी नाटक इतिहास के सोपान – गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
02– हिन्दी नाटक : आजकल – जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
03– आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मी नारायण लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद
04– हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
05– आधुनिक हिन्दी नाट्यकारों के सिद्धान्त – निर्मला हेमन्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
06– प्रसाद के नाटक : सृजनात्मक धरातल और भाषिक चेतना – गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
07– नाटककार जगदीश चंद्र माथुर – गोविन्द चातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
08– हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार
09– प्रतिनिधि जयशंकर प्रसाद – (सं0) सत्येन्द्र तनेजा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10– हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन – भुवनेश्वर महतो, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
11– हिन्दी नाटक : मिथक एवं यथार्थ – रमेश गौतम
12– एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
13– हिन्दी नाटक – दशरथ ओझा
14– ध्रुवस्वामिनी – वस्तु एवं शिल्प – सुरेश नारायण
15– प्रसाद की नाट्यकला – सुजाता विष्ट

बी0 ए0 (द्वितीय वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र
BAH201: आधुनिक हिन्दी काव्य

निर्धारित कवि – मैथिलीशरण गुप्त– साकेत का अष्ट्म सर्ग

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री, 'आँसू' के प्रारम्भिक पाँच छंद, अरूण यह मधुमय देश हमारा, पेशोला की प्रतिध्वनि।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – सरोज स्मृति, भिक्षुक।

सुमित्रानन्दन पन्त – नौका विहार, बादल, अल्मोड़े का बसन्त, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, मौन निमंत्रण।

महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ रहने दो अपरिचित, विरह का जल–जात जीवन, यह मंदिर का दीप, चिर सजग आँखें उनींदी।

रामधारी सिंह दिनकर – आलोक धन्वा, परम्परा, पाप, राजर्षि अभिनन्दन, विपथगा।

द्रुतपाठ – श्रीधर पाठक, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सुभद्रा कुमारी चौहान।

सन्दर्भ/उपयोगी ग्रन्थ–

01– आधुनिक कवियों की काव्य साधना– राजेन्द्र सिंह और गौड़– श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा
02– हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना– विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
03– आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न– रमेश चन्द्र शर्मा– सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
04– छायावादी कवियों की गीत दृष्टि– डॉ0 उपेन्द्र– युगवाणी प्रकाशन, कानपुर
05– प्रसाद का काव्य – प्रेम शंकर
06– प्रसाद की कला – गुलाबराय
07– प्रसाद की कविता – भोलानाथ तिवारी– साहित्य भवन, इलाहाबाद
08– प्रसाद– रामरतन भटनागर
09– प्रसाद– नन्द दुलारे बाजपेयी
10– पंत का काव्य– डॉ0 उपेन्द्र– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
11– पंत जी का नूतन काव्य दर्शन– डॉ0 विश्वम्भर उपाध्याय
12– सुमित्रा नंदन पंत– डॉ0 नगेन्द्र– नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
13– पंत का काव्य– प्रेमलता बाफना
14– सुमित्रानन्दन– शची रानी गुर्टू

15– कवियों में सौम्य पंत– बच्चन
16– पंत की काव्य साधना– रमेश चन्द्र शर्मा एवं क0ला0 अवस्थी साहित्य निकेतन, कानपुर
17– युग कवि निराला– राममूर्ति शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर
18– युग कवि निराला– रजनीकांत लहरी उन्नाव
19– निराला की काव्य साधना– वीणा शर्मा
20– निराला का काव्य– डॉ0 नगेन्द्र
21– निराला का पुनर्मूल्यांकन– धनंजय वर्मा
22– निराला के साहित्यिक संस्कार– शिव कुमार दीक्षित, साहित्य रत्नालय, कानपुर
23– निराला– इन्द्रनाथ मदान
24– मैथिलीशरण गुप्त– आनंद प्रकाश दीक्षित
25– महादेवी : कवि एवं गद्यकार– गौतम
26– महादेवी की काव्य साधना– 'सुमन'
27– महादेवी– इन्द्रनाथ मदान
28– छायावाद और महादेवी– नंद कुमार राय
29– महादेवी की काव्य चेतना– राजेन्द्र मिश्र
30– पंत : कवि और काव्य– शारदालाल– तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
31– यशोधरा का काव्य संदर्भ– बड़सूवाला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
32– महादेवी का काव्य सौन्दर्य– राजपाल हुकुम चन्द्र
33– अपरा–निराला– भारती भंडार, इलाहाबाद
34– रश्मि लोक–दिनकर–हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली

<u>बी0 ए0 (द्वितीय वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम ?</u>

<u>द्वितीय प्रश्न पत्र</u>

<u>**BAH202: हिन्दी कथा साहित्य**</u>

निर्धारित पाठ्यक्रम– (क) उपन्यास– **चित्रलेखा** (**भगवतीचरण वर्मा**), **रागदरबारी** (**श्रीलाल शुक्ल**) (ख) कहानी– कफन (**प्रेमचन्द**), गुण्डा (**जयशंकर प्रसाद**), यही सच है (**मन्नू भण्डारी**), चीफ की दावत, (**भीष्म साहनी**), मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (फ**णीश्वर नाथ रेणु**), राजा निरवंसिया (**कमलेश्वर**) पिता (**ज्ञानरंजन**) पचीस चौका डेढ़ सौ (**ओमप्रकाश वाल्मीकि**)

द्रुत पाठ– शैलेष मटियानी, अमरकांत, सेवाराम यात्री, मृदुला गर्ग

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें–

01– हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ– शशि भूषण सिंहल
02– हिन्दी उपन्यास पहचान एवं परख– इन्द्रनाथ मदान
03– आधुनिक हिन्दी उपन्यास– भीष्म साहनी
04– हिन्दी उपन्यास एवं यथार्थवाद– त्रिभुवन सिंह– हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
05– उपन्यास कला के तत्व– श्री नारायण अग्निहोत्री– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
06– उपन्यास और लोकजीवन– रेल्फ फॉक्स पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 12
07– उपन्यास : शिल्प और प्रवृत्तियाँ– डॉ0 सुरेश सिन्हा
08– हिन्दी उपन्यास– डॉ0 सुषमा धवन
09– हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास– डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन
10– हिन्दी उपन्यासों में चरित्र चित्रण का विकास– डॉ0 रणवीर राणा
11– कहानी कला : सिद्धान्त और विकास– डॉ0 सुरेश चन्द्र शुक्ल– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली
12– आज की हिन्दी कहानी– डॉ0 धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
13– कहानी का रचनाविधान– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा– हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय,वाराणसी
14– नयी कहानीः परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य– डॉ0 रामकली सराफ विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15– कुछ हिन्दी कहानियाँ : कुछ विचार– विश्वनाथ त्रिपाठी– राजकमल, नई दिल्ली
16– हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ– सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण, दिल्ली
17– हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास– लक्ष्मीनारायण लाल– साहित्य भवन, इलाहाबाद

बी0 ए0 (तृतीय् वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

BAH301: अद्यतन हिन्दी एवं कौरवी लोक काव्य

निर्धारित कवि –

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन "अज्ञेय"– नदी के द्वीप, दीप अकेला, उधार, साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, कलगी बाजरे की।

शमशेर बहादुर सिंह– उषा, लौट आ ओ धार, पीली शाम, अमन का राग, मुक्तिबोध की मृत्यु पर गज़ल।

नागार्जुन– सिंदूर तिलकित भाल, अकाल के बाद, बादल को घिरते देखा।

भवानी प्रसाद मिश्र– गीत बेचता हूँ, सतपुड़ा के जंगल, कमल के फूल।

गजानन माधव मुक्तिबोध– ब्रहम्राक्षस।

चौधरी पृथ्वी सिंह बेधड़क– 'मानवता' भजन सं0 – 01, 10, 53, तथा गीत सं0 – 05।

कृष्ण चन्द्र शर्मा– लोकगीत : 'लोक जीवन के स्वर' के अध्याय 05 से 'राष्ट्रीय आन्दोलन' गीत सं0 – 02 तथा 'शिक्षा का महत्व' गीत सं0 – 04।
द्रुतपाठ – केदारनाथ अग्रवाल, शिवमंगल सिंह 'सुमन', दुष्यन्त कुमार, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता।

अनुमोदित पुस्तकें – अद्यतन हिन्दी एवं कौरवी लोक काव्य

01– युग चारण दिनकर – सावित्री सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
02– दिनकर के काव्य में मानवतावादी प्रेम चेतना– मधुबाला, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
03– लोकप्रिय बच्चन – दीनानाथशरण, साहित्य निकेतन, कानपुर
04– बच्चन का परवर्ती काव्य– श्याम सुन्दर घोष, राजपाल, दिल्ली
05– कवि बच्चन – व्यक्ति एवं दर्शन– के0जी0 कदम, साहित्य भवन, इलाहाबाद
06– बच्चन एक मूल्यांकन– दीनानाथशरण, दरियापुर गोला, बाँकीपुर, पटना
07– अज्ञेय का रचना संसार– रामस्वरूप चतुर्वेदी
08– अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या– रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
09– भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य यात्रा– संतोष कुमार तिवारी
10– कविता यात्रा – रत्नाकर से रघुवीर सहाय– रामस्वरूप चतुर्वेदी, मैकमिलन
11– नया काव्य, नये मूल्य– ललित शुक्ल– मैकमिलन
12– नई कविता और अस्तित्ववाद– रामविलास शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
13– शमशेर की कविता– नरेन्द्र वशिष्ठ, नई दिल्ली
14– नई कविता – स्वरूप और समस्याएं– जगदीश गुप्त
15– कविता के नये प्रतिमान– नामवर सिंह
16– नागार्जुन की काव्य यात्रा– रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17– नागार्जुन का काव्य– चन्द्र हाउस सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
18– अज्ञेय : विचार एवं कविता– राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
19– आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान– केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
20– समकालीन हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
21– समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध परिदृश्य–रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
22– समकालीन हिन्दी कविता– ए0 अरविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
23– पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त एवं विविधवाद– गायकवाड़, साहित्य रत्नालय, कानपुर
24– काव्य शास्त्र : विविध आयाम– मधुखराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
25– पाश्चात्य काव्य शास्त्र– भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
26– सर्जना के क्षण–अज्ञेय– भारतीय साहित्य प्रकाशन, मेरठ
27– नागार्जुन की कविता– अजय तिवारी
28– लोक साहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र : राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
29– लोक जीवन के स्वर : डॉ0 कृष्ण चन्द्र शर्मा – कुरू लोक संस्थान, मेरठ।
30– कौरवी लोक साहित्य : प्रो0 नवीन चन्द्र लोहनी – भावना प्रकाशन, नई दिल्ली

बी0 ए0 (तृतीयृ वर्ष) हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
BAH302: हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएं

निर्धारित पाठ्यक्रम–

क– निबन्ध– शिवशम्भु के चिट्ठे (**बालमुकुंद गुप्त**), कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता (**आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी**), लज्जा और ग्लानि (**आचार्य रामचन्द्र॰ शुक्ल**), कुटज (**आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी**), छायावाद (**नंददुलारे वाजपेयी**), तुम चंदन हम पानी (**विद्यानिवास मिश्र**), सौन्दर्य की उपयोगिता (**रामविलास शर्मा**

ख– गद्य विधाएँ– भक्तिन (**महादेवी वर्मा**), सुधियाँ उस चन्दन वन की (**विष्णुकान्त शास्त्री**), अपोलो का रथ (**श्रीकांत वर्मा**) समन्वय और सह अस्तित्व (**विष्णु प्रभाकर**), अपनी–अपनी हैसियत (**हरिशंकर परसाई**)

द्रुतपाठ – कुबेरनाथ राय, शरद जोशी, विवेकी राय, रघुवीर सहाय ।

सहायक पुस्तकें–

01– हिन्दी का गद्य साहित्य– रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
02– हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार– द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
03– हिन्दी निबंधकार– नलिन जयनाथ
04– हिन्दी निबन्ध के आधार स्तम्भ– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
05– प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार– तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
06– साहित्य में गद्य की नई विधायें– कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
07– हिन्दी रेखाचित्र– डॉ0 हरवंशलाल वर्मा, हिन्दी समिति उ0प्र0, लखनऊ
08– स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार– डॉ0 बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, नौबस्ता, कानपुर
09– हिन्दी साहित्य में निबंध एवं निबंधकार– डॉ0 गंगा प्रसाद गुप्त
10– हिन्दी की हास्य व्यंग्य विधा का स्वरूप एवं विकास– इन्द्रनाथ मदान
11– हिन्दी के व्यक्तिक निबंध– रामचरण महेन्द्र
12– साहित्यिक विधायें : पुनर्विचार– हरिमोहन 17

बी0 ए0 (प्रथम वर्ष)

BAH 103: प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र

BAH103(क): भारत सरकार की राजभाषा नीति

पूर्णांक – 35

प्रथम प्रश्न –इस यूनिट में सभी 10 लघूत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न प्रथम प्रश्न पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 15 अंक

इकाई – (1.) हिन्दी का विकास एवं हिन्दी के राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान। 5 अंक

इकाई – (2.) राजभाषा अधिनियम– 1963, संशोधित – 1967, परवर्ती नियम – 1976। 5 अंक

इकाई – (3.) राष्ट्रपति के आदेश, राजभाषा–संकल्प, त्रिभाषा फार्मूला, अखिल भारतीय परीक्षाओं का वैकल्पिक माध्यम। 5 अंक

इकाई – (4.) हिन्दी प्रशिक्षण और प्रोत्साहन। 5 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र

BAH103(ख): हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण और वार्तालाप

पूर्णांक – 35

प्रथम प्रश्न – इस यूनिट में सभी 10 लघूत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे। 15 अंक

इकाई – (1.) हिन्दी भाषा की प्रकृति, अंग्रेजी की तुलना में हिन्दी वाक्य संरचना नियम। 5 अंक

इकाई – (2.) ध्वनि विज्ञान, वर्णमाला, उच्चारण, लय और स्वर विन्यास। 5 अंक

इकाई – (3.) हिन्दी व्याकरण – लिंग, वचन, क्रिया, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, परसर्ग। 5 अंक

इकाई – (4.) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, विभक्तियाँ, वर्तनी और विराम चिन्ह आदि का सही प्रयोग। 5 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र

BAH103(ग): प्रायोगिक कार्य

पूर्णांक – 30

बी0 ए0 (द्वितीय वर्ष)
BAH203:प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र
BAH 203(क): हिन्दी में कार्यालयी और वाणिज्यिक पत्राचार

पूर्णांक – 35

प्रथम	प्रश्न –	इसयूनिट में सभी 10 लघुत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न प्रथम प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे।		15 अंक
इकाई	–	(1)	पत्र की अवधारणा, स्वरूप और प्रकार।	5 अंक
इकाई	–	(2)	कार्यालयी पत्राचार – मूलपत्र, पत्रोत्तर, अधिसूचना, आदेश, पृष्ठांकन, अन्तर्विभागीय टिप्पणी, मानक प्रालेख।	5 अंक
इकाई	–	(3)	व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार–निविदा सूचनाएँ, रिक्तियों की सूचनाएँ, कोटेशन, रपट, इनवाइस बिल, बैंकिंग कार्यवाही, शिकायत और समझौते, बीमा विषयक पत्र।	5 अंक
इकाई	–	(4)	विज्ञापन एवं कॉपी लेखन की प्रस्तावना, गुण, क्षेत्र एवं सम्भावनाएँ।	5 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र
BAH203(ख): टिप्पणी एवं आलेखन

पूर्णांक – 35

प्रश्न –		इस यूनिट में सभी 10 लघुत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे।		15 अंक
इकाई	–	(1)	टिप्पणी लेखन : अवधारणा, स्वरूप, प्रकार, भाषा–शैली, विशेषताएँ।	5 अंक
इकाई	–	(2)	आलेखन : अवधारणा, स्वरूप, प्रकार, भाषा–शैली, विशेषताएँ।	5 अंक
इकाई	–	(3)	फाइल पद्धति, प्रकरण–निर्माण, सन्दर्भ–पत्रिकाएँ।	5 अंक
इकाई	–	(4)	अभिलेख और पूरक पत्रों की पद्धति।	5 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र
BAH203(ग): प्रायोगिक कार्य

पूर्णांक – 30

बी0 ए0 (तृतीय वर्ष)
BAH 303: प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र
BAH303(क): अनुवाद, दुभाषिया – प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली

पूर्णांक – 35

प्रथम सम्पूर्ण			प्रश्न –इस यूनिट में सभी 10 लघुत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न प्रथम प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे।	15 अंक
इकाई	–	(1)	अनुवाद : अवधारणा, प्रक्रिया, प्रकार, राजभाषा–अधिनियम।	5 अंक
इकाई	–	(2)	दुभाषिया–प्रविधि : अवधारणा एवं स्वरूप, आशु अनुवाद की विशेषताएँ एवं महत्व, दुभाषिये के गुण एवं महत्व।	5 अंक
इकाई	–	(3)	परिभाषिक शब्दावली की अवधारणा एवं विकास–यात्रा, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण प्रक्रिया के सिद्धान्त।	5 अंक
इकाई	–	(4)	संक्षेपण एवं सम्पादन कलाए आशुलेखन : प्रक्रिया एवं प्रयोग।	5 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र
BAH303(ख): संचार माध्यम

पूर्णांक – 35

			प्रथम प्रश्न – इस यूनिट में सभी 10 लघुत्तरीय प्रश्न अनिवार्य होंगे। ये प्रश्न द्वितीय प्रश्नपत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को स्पर्श करते हुए बनाये जायेंगे।	15 अंक
इकाई	–	(1)	संचार–माध्यम–पृष्ठभूमि अवधारणा, स्वरूप एवं क्षेत्र।	5 अंक
इकाई	–	(2)	भारत में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास – भारत में रेडियो टेजीविजन का नेटवर्क तथा इनके जनसंचार के रूप में प्रसारण के मूल सिद्धान्त।	5 अंक
इकाई	–	(3)	भारत में प्रिंट मीडिया का विकास, प्रेस विज्ञप्ति की मुख्य विषय वस्तु, संक्षिप्तीकरण, पारिभाषिक शब्दावली, समीक्षा और सम्पादन। टेलीप्रिन्टर, टेलेक्स, टेलीकान्फ्रेंसिंग–कार्य–प्रणाली।	5 अंक
इकाई	–	(4)	टंकण यन्त्र, प्रकार, कम्प्यूटर। संचार–माध्यम–लेखन–प्रविधि एवं प्रूफ–शोधन। रपट–लेखन कला, भाषा–शैली।	5 अंक

तृतीय प्रश्न पत्र
BAH303(ग): प्रायोगिक कार्य

पूर्णांक – 30